कार्यक्रम | 76 दीपों से प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु की कामना

आशीर्वाद के दीया से जगमगाया धनपुरी

नवभारत, धनपुरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर धनपुरी नंबर-3 स्थित हनुमान मंदिर में भाजपा परिवार की ओर से 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष राकेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर भाजपा परिवार के वरिष्ठ जनों, कार्यकर्ताओं एवं मातृशक्ति ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 76 दीप प्रज्ज्वलित किए। मंदिर परिसर में एक साथ प्रज्ज्वलित किए गए दीपों से वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण हो गया। उपस्थित जनों ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन तथा देश की निरंतर प्रगति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों को प्रसाद एवं मिष्ठान का वितरण किया गया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में राकेश तिवारी, दौलत दाहिया, राजा सिंह कश्यप, ओंकार सिंह, नर्मदा पटेल, विनोद पाल एवं संदीप मौर्य सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थितजनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना की। दीप प्रज्ज्वलन, पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मनवानी, संजू चंदवानी, बबलू जायसवाल, हेमंत सोनी, रवि सिंह कश्यप, डॉ. विजय सिंह, भोला पनिका, प्रवीण बड़ोलिया, सूर्य प्रकाश रजक, सचिन दाहिया, धर्मेंद्र केवलानी, ओमी सिंह कारपेटी, धीरू सिंह परिहार, सरिता शर्मा, रवि सोनी, संतोष राय, विनोद गुप्ता, राजवीर द्विवेदी, अविनाश विश्वकर्मा, नीरज पाल, श्रीकांत

कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

इस अवसर पर राकेश तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन देशभर में सेवा, संकल्प और जनकल्याण की भावना के साथ मनाया जा रहा है। धनपुरी नंबर-3 में आयोजित 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम इसी भावना का प्रतीक है। 76 दीपों का प्रज्ज्वलन प्रधानमंत्री के 76वें जन्मदिन के अवसर पर उनके प्रति सम्मान और शुभकामनाओं को समर्पित है। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों लोगों की तरह क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और नागरिकों के मन में भी प्रधानमंत्री के प्रति स्नेह और विश्वास है। हम सभी ने हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

कैथा टोला स्कूल की बाउंड्रीवॉल के भुगतान पर सवाल

बिना सचिव के हस्ताक्षर भुगतान करने का आरोप, स्कूल में कार्यरत रामनिवास की भूमिका की जांच की मांग

नवभारत, भदवाही। ग्राम पंचायत भदवाही के कैथा टोला स्थित स्कूल में कराए गए बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य के भुगतान को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने भुगतान प्रक्रिया में पंचायत सचिव के हस्ताक्षर नहीं होने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही स्कूल में कार्यरत रहे रामनिवास जायसवाल की निर्माण कार्य में कथित ठेकेदारी भूमिका की भी जांच कराने की मांग उठाई गई है।

भुगतान प्रक्रिया पर उठे सवाल

ग्रामीणों के अनुसार, कैथा टोला स्कूल में बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य कराया गया था। आरोप है कि निर्माण कार्य का भुगतान सरपंच और रामनिवास जायसवाल की भूमिका से कराया गया, जबकि भुगतान संबंधी दस्तावेजों पर पंचायत सचिव के हस्ताक्षर नहीं होने की बात सामने आ रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि भुगतान से जुड़े मूल अभिलेखों की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि भुगतान किस प्रक्रिया के तहत स्वीकृत और जारी किया गया।

नियमों को किया जा रहा दरकिनार

ग्रामीणों का आरोप है कि रामनिवास जायसवाल कैथा टोला स्कूल में कार्यरत रहने के दौरान ही बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य में ठेकेदारी जैसी भूमिका निभा रहे थे। यदि जांच में यह तथ्य सही पाया जाता है, तो उनके शासकीय दायित्वों के साथ निर्माण कार्य में भूमिका तथा संबंधित नियमों के पालन की भी जांच की जानी चाहिए।

मूल दस्तावेजों और निर्माण कार्य का हो सत्यापन

मामले में ग्रामीणों ने बाउंड्रीवॉल निर्माण की स्वीकृति, एस्टीमेट, तकनीकी स्वीकृति, कार्यादेश, माप पुस्तिका (एमबी), पूर्णता प्रमाणपत्र (सीसी), जियोटैग फोटो, बिल-वाउचर, भुगतान संबंधी दस्तावेज, बैंक भुगतान विवरण एवं पंचायत रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की है।

भुगतान में पंचायत सचिव की भूमिका पर भी सवाल

इसके साथ ही मौके पर निर्माण कार्य की भौतिक स्थिति का सत्यापन कर अभिलेखों में दर्ज कार्य और वास्तविक निर्माण का मिलान कराने की मांग भी की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि निर्माण कार्य किसके द्वारा कराया गया, भुगतान किसके नाम पर और किस प्रक्रिया के तहत जारी हुआ तथा भुगतान में पंचायत सचिव की भूमिका क्या रही। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

एक नजर में

रक्तदान शिविर में 30 यूनिट रक्त संग्रहित

नवभारत, बुढ़ार। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के परिपालन में तथा जिला कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बुढार, जिला शहडोल में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव तथा उनके 25 वर्षों के सफलतम कार्यकाल के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, भाजपा पदाधिकारियों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। आयोजन के दौरान कुल 30 यूनिट स्वैच्छिक रक्त का संग्रहण किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संभाली व्यवस्थाएं -सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बुढार में आयोजित इस रक्तदान शिविर की व्यवस्थाओं को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविर में खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन कारखुर, डॉ. शैली जैन, डॉ. सौरभ सिंह तथा डॉ. अविनाश सिंह सहित विकासखण्ड बुढार के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा रक्तदान से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं एवं व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया। रक्तदाताओं की सुविधा, आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण तथा रक्त संग्रहण की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया गया। शिविर के दौरान लोगों को रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के संबंध में भी जागरूक किया गया।

विधि विधान से किया गया विश्वकर्मा पूजन

नवभारत, अमलाई। भारतीय मजदूर संघ द्वारा कार्यालय ओ,पी,एम में भगवान विश्वकर्मा का श्रद्धा भाव से विधि विधान पूर्वक पूजा-अर्चना का कार्यक्रम हर्षोल्लास पूर्वक किया गया। पूजन कार्यक्रम में माननीय योगेन्द्र वार्ष्णेय जी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओरिएंट पेपर मिल अमलाई का संघ कार्यालय में आगमन हुआ। महामंत्री प्रवीण कुमार शुक्ला जी द्वारा सी.ओ.ओ. महोदय का भगवा अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया और मृगेन्द्र सिंह महामंत्री स्टाफ संघ द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

इस कार्यक्रम में सतीश शर्मा, महा प्रबंधक औद्योगिक संबंध एवं अजय मिश्रा, प्रबंधक टाइम ऑफिस की गरिमामई उपस्थिति रही। प्रवीण कुमार शुक्ला ने बताया की भारतीय मजदूर संघ विश्वकर्मा जयंती 17 सितंबर को राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में मनाता है। उन्होंने सभी श्रमिक व औद्योगिक कर्मचारियों को राष्ट्रीय श्रमिक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी सज्जन सिंह, राजेश्वर सिंह, शिवपाल मिश्रा, प्रमोद यादव, प्रताप मांझी,अतुल मिश्रा, सुधीर मिश्रा, करुणाकांत मिश्रा, दीपराज सिंह, दिनेश सिंह, सुरेंद्र त्रिपाठी, राम अवतार जायसवाल, उदयराज सिंह, ललित पयासी, गणेश प्रसाद शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

वेतन में कटौती से बढ़ी परेशानी, पटवारियों में नाराजगी

6 से 14 दिन तक का वेतन काटे जाने का आरोप, कलेक्टर से शिकायत कर भुगतान की मांग

नवभारत, गोहपारू। पटवारियों के अगस्त माह के वेतन में कथित रूप से 6 से 14 दिन तक की कटौती किए जाने का मामला सामने आया है। वेतन कटौती से परेशान पटवारियों ने मामले में प्रशासन से हस्तक्षेप कर नियमानुसार लंबित वेतन का भुगतान कराने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सितंबर माह में अगस्त के वेतन का भुगतान किए जाने के दौरान कई पटवारियों के वेतन में कटौती की गई। आरोप है कि किसी पटवारी का 6 दिन, किसी का 12 दिन तो किसी का 14 दिन का वेतन काटा गया है। इससे पटवारियों में नाराजगी और आर्थिक परेशानी की स्थिति बनी हुई है। बताया गया कि 17 सितंबर को वेतन बिल लगाए जाने के दौरान भी वेतन कटौती का मामला सामने आया। पटवारियों का कहना है कि वेतन में कटौती किए जाने के कारणों को स्पष्ट किया जाना चाहिए, ताकि संबंधित कर्मचारियों को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके।

वेतन कटौती की जांच की मांग

पटवारियों ने कलेक्टर से शिकायत कर वेतन कटौती के मामले की जांच कराने तथा नियमानुसार काटे गए वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि किसी कर्मचारी के वेतन में कटौती की गई है, तो उसका स्पष्ट कारण बताया जाना चाहिए और पात्रता के अनुसार लंबित राशि का भुगतान किया जाना चाहिए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और पटवारियों को काटे गए वेतन का भुगतान कब तक हो पाता है।

अरण्य वाटिका में रोपे 55 पौधे, हरियाली के साथ संजोई जैव विविधता

सेवा संकल्प अभियान के तहत वन विभाग की पहल, विद्यार्थियों, ग्रामीणों और ब्रह्मकुमारी संस्थान के सदस्यों ने लिया हिस्सा

नवभारत, शहडोल। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वनमण्डल दक्षिण शहडोल के नवीन आवासीय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन विभाग के अधिकारियों के साथ विद्यालयीन छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, ब्रह्मकुमारी संस्थान के सदस्यों, गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल महेन्द्र प्रताप सिंह, वनमण्डलाधिकारी दक्षिण शहडोल श्रद्धा पन्द्रे, वनमण्डलाधिकारी उत्तर शहडोल तरुणा वर्मा, उप वनमण्डलाधिकारी सोहागपुर संतोष कुमार शुक्ला एवं उप वनमण्डलाधिकारी जैतपुर वीरभद्र सिंह परिहार सहित वन विभाग के अधिकारी एवं नागरिक मौजूद रहे।

अशासकीय ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों तथा ब्रह्मकुमारी संस्थान के सदस्यों और ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक पौधे रोपे। इस दौरान वनमण्डलाधिकारी दक्षिण शहडोल श्रद्धा पन्द्रे ने विद्यार्थियों और ग्रामीणों को वन एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के साथ पौधों के पर्यावरणीय महत्व की जानकारी दी।

आम से आंवला तक रोपे विभिन्न प्रजातियों के पौधे

पौधरोपण के दौरान आम, आंवला, इमली, जामुन सहित विभिन्न प्रजातियों के करीब 50 से 55 पौधे रोपे गए। पौधारोपण स्थल को 'अरण्य वाटिका' के रूप में विकसित किया गया है। वन विभाग के अनुसार इस स्थल को सूक्ष्म जैव विविधता के प्रादर्श रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे यहां विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो सके।

ग्राम पंचायत पैलवाह में महिलाओं ने किया संतान सप्तमी व्रत

संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना के साथ महिलाओं ने की पूजा-अर्चना

नवभारत, गोहपारू। नवभारत संवाददाता। ग्राम पंचायत पैलवाह में आज संतान सप्तमी का व्रत श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव की महिलाओं ने अपने संतान की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। संतान सप्तमी व्रत के अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर देववन्ति सिंह, रेखा सिंह, सुमन सिंह, कविता सिंह, चंद्रवती सिंह, नानबाई सिंह, मीरा बाई सिंह एवं केमली सिंह सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। महिलाओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ व्रत रखकर संतान की मंगलकामना की।

ग्राम पंचायत पैलवाह में विराजमान हुए भगवान गणेश

गणेशोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह भक्तिभाव से की जा रही पूजा-अर्चना

नवभारत, गोहपारू। नवभारत संवाददाता। ग्राम पंचायत पैलवाह में गणेशोत्सव के अवसर पर जगह-जगह भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं विराजमान की गई हैं। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के साथ ही क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। श्रद्धालु भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

गणेशोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर महीप केवट, मिथिलेश केवट, दीपक गुप्ता, पलक गुप्ता, डींगम पनिका, राहुल गुप्ता एवं प्रशांत सिंह सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्री गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। ग्राम पंचायत पैलवाह में गणेशोत्सव के चलते धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

21 को भोपाल में जुटेंगे पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी

प्रान्तीय बैठक में पेंशनर्स की मांगों पर होगा मंथन, आगामी आंदोलन की रणनीति पर भी चर्चा

नवभारत, गोहपारू। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मध्यप्रदेश की प्रान्तीय इकाई की बैठक 21 सितंबर को लघुवेतन कर्मचारी भवन, भोपाल में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगी। प्रान्ताध्यक्ष ओ.पी. बुधौलिया ने बैठक के संबंध में निर्देश जारी करते हुए प्रान्तीय इकाई के सभी पदाधिकारियों एवं संभागीय अध्यक्षों को उपस्थित रहने के लिए आहूत किया है। उल्लेखनीय है कि प्रान्तीय बैठक पूर्व में 21 जुलाई को प्रस्तावित थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई थी। अब बैठक की नई तिथि 21 सितंबर निर्धारित की गई है। संभागीय महासचिव महेश प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि बैठक में पेंशनर्स की विभिन्न लंबित मांगों एवं समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इनमें केंद्र सरकार के पेंशनर्स के समान महंगाई राहत देने, स्वास्थ्य बीमा योजना के प्रीमियम में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के लिए गठित समितियों में पेंशनर्स का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग शामिल है।

अतिरिक्त पेंशन दिए जाने पर होगी चर्चा

बैठक में प्रत्येक दो वर्ष में शासन के व्यय पर भारत भ्रमण की सुविधा, जिला स्तर पर पुन: पेंशन कार्यालय खोलने, जिला पेंशन कार्यालय बंद होने से स्वत्वों के भुगतान में हो रही देरी दूर करने तथा स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने के मुद्दे भी उठाए जाएंगे। इसके अलावा न्यायालय के निर्णय के अनुसार 65, 70, 75 एवं 80 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर प्रत्येक स्तर पर 5-5 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन दिए जाने के विषय पर भी चर्चा होगी। पेंशनर्स की मांगों के संबंध में शासन के रुख की समीक्षा कर संगठन की आगामी रणनीति बैठक में तय की जाएगी।

अव्यवस्था | जनसेवा के नाम पर आयोजन में झोंकी गई मशीनरी, आम लोगों के कामकाज और विभागीय व्यवस्थाओं पर सवाल

चार लाख दीयों की रोशनी में सरकारी कामकाज का अंधेरा

नवभारत, शहडोल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुरू हुए सेवा संकल्प अभियान के पहले दिन जिलेभर में करीब चार लाख दीये जलाए गए। जिला मुख्यालय से लेकर गांव-गांव तक 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम की धूम रही। आरजीव्हीपी इंजीनियरिंग कॉलेज में 11 हजार दीयों से परिसर जगमगाया और सरकारी तंत्र ने आयोजन को सफल बनाने में पूरी ताकत झोंक दी। लेकिन इस चमक-दमक के बीच एक बड़ा सवाल भी खड़ा हुआ, क्या सरकारी मशीनरी का मूल काम भी उतनी ही प्राथमिकता से हुआ, जितनी प्राथमिकता दीये जलाने के आयोजन को दी गई?

कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारियां की गईं। अधिकारियों, कर्मचारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों की भागीदारी सुनिश्चित की गई। जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित कराने के लिए सरकारी अमले को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिन कर्मचारियों की जिम्मेदारी स्कूलों, कार्यालयों, पंचायतों और आम लोगों से जुड़े रोजमर्रा के कामकाज को सुचारु रखना है, उनका कितना समय आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं में लगा।

स्कूलों में पढ़ाई या आयोजन की तैयारियां

सरकारी आयोजनों में विद्यालयों की भागीदारी कोई नई बात नहीं है, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब बच्चों की पढ़ाई और शिक्षकों की मूल जिम्मेदारियों के बीच ऐसे आयोजनों का दबाव दिखाई देने लगे। यदि शिक्षकों अथवा विद्यार्थियों को कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, दीये जुटाने, सजावट या अन्य गतिविधियों में लगाया गया, तो इसकी जिम्मेदारी और प्राथमिकता पर सवाल उठना लाजिमी है। शिक्षा विभाग के सामने पहले से ही पढ़ाई, परीक्षा, शैक्षणिक रिकॉर्ड और विभागीय कार्यों की बड़ी जिम्मेदारियां हैं। ऐसे में सवाल है कि सरकारी तंत्र के पास जनसेवा के कार्यक्रमों के लिए अलग व्यवस्था क्यों नहीं बनाई जाती, ताकि स्कूलों और शिक्षकों का नियमित शैक्षणिक काम प्रभावित न हो?

दफ्तरों में आम आदमी के काम का क्या

सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी जनता की समस्याओं और आवेदनों के निराकरण के लिए तैनात होते हैं। यदि इन्हीं कर्मचारियों को आयोजन की व्यवस्थाओं में बड़ी संख्या में लगाया जाता है तो आम नागरिकों के काम प्रभावित होने की आशंका रहती है। प्रमाण-पत्र, राजस्व प्रकरण, पेंशन, योजनाओं से जुड़े आवेदन, शिक्षा और अन्य विभागीय कार्यों के लिए कार्यालय पहुंचने वाले लोगों को कितनी सुविधा मिलीकृयह सवाल भी महत्वपूर्ण है। सरकारी आयोजनों में जनभागीदारी अच्छी बात है, लेकिन जनसेवा का वास्तविक पैमाना दीयों की संख्या नहीं, बल्कि सरकारी कार्यालयों में समय पर होने वाला जनता का काम होना चाहिए।

जनसेवा का मतलब व्यवस्था चलाना भी

सरकार के कार्यमों का उद्देश्य जनभागीदारी और जागरूकता बढ़ाना हो सकता है, लेकिन सरकारी मशीनरी का पहला दायित्व नियमित प्रशासनिक और जनसेवा संबंधी कामकाज को निर्बाध बनाए रखना है। दीयों की रोशनी में विकसित भारत का संदेश दिया गया, मगर यह भी जरूरी है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई, अस्पतालों में सेवाएं, कार्यालयों में जनता के काम और पंचायतों में प्रशासनिक गतिविधियां भी उसी गंभीरता से चलती रहें। आयोजन की भव्यता तभी सार्थक मानी जाएगी, जब उसके साथ सरकारी व्यवस्था की कार्यक्षमता पर कोई समझौता न हो।

विशेष अभियान 6 .0 के तैयारी चरण का शुभारंभ

स्वच्छता और ई-कचरा प्रबंधन पर रहेगा विशेष जोर

नवभारत, धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया में विशेष अभियान 6.0 के उद्घाटन समारोह के साथ अभियान के तैयारी चरण की शुरुआत हुई। इस अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक बी. के. जेना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अभियान की रूपरेखा, विभिन्न विभागों को सौंपी जाने वाली जिम्मेदारियों तथा आगामी गतिविधियों की विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

बैठक में महाप्रबंधक (संचालन) मनीष श्रीवास्तव, स्टाफ अधिकारी (सिविल), स्टाफ अधिकारी (मानव संसाधन), स्टाफ अधिकारी (ई एंड टी), स्टाफ अधिकारी (ई एंड एम), क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी, क्षेत्रीय भंडार प्रभारी, कार्यशाला प्रभारी सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता को बढ़ावा

अभियान का उद्देश्य कार्यालयीन एवं कार्यस्थलीय परिसरों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के साथ-साथ अनुपयोगी सामग्री और विशेष रूप से ई-कचरे के व्यवस्थित संग्रहण, पृथक्करण एवं उचित निपटान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। बैठक में अभियान के दौरान स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अभियान के तहत ई-कचरे के उचित प्रबंधन को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं उनसे निकलने वाले अनुपयोगी सामान को सामान्य कचरे से अलग रखने, निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उसका संग्रहण करने तथा अधिकृत माध्यम से सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से निपटान सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

ई-कचरा भी एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौती

इस अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक बी. के. जेना ने कहा कि स्वच्छता किसी एक विभाग या कुछ दिनों तक चलने वाला कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी और नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। विशेष अभियान 6.0 के माध्यम से हमारा प्रयास है कि कार्यस्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के साथ-साथ ई-कचरे के उचित प्रबंधन को भी व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बढ़ते उपयोग के साथ ई-कचरा भी एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौती बन रहा है। ऐसे में इसके संग्रहण, पृथक्करण और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप निपटान के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।